(b) if so, what are the details thereof and reasons therefor;

(c) whether this move would mean closure of a number of mills and rendering a number of workers jobless; and

(d) if so, whether any steps would be taken to prevent unemployment to such workers?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI RAM NIWAS MIRDHA): (a) No, Sir.

(b) to (d) Do not arise.

228. [*Transferred to the 2nd May, 1988*].

नियंत्रित कपड़े और जनता कपड़े का उत्पादन

229. **श्री सुब्रह्मण्यम स्वामी :**
श्री रशीद मसूद :

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अन्तर्गत चल रही वस्त्र मिलों ने वर्ष 1987–88 में नियंत्रित कपड़े और जनता कपड़े के उत्पादन के लक्ष्य को पूरा नहीं किया है ;

(ख) यदि हां, तो इस सम्बंध में ब्यौरा क्या है ; और

(ग) आम इस्तेमाल के उक्त कपड़े के अभाव के कारण इनकी कीमतों में सम्भावित वृद्धि की आशंका को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

वस्त्र मंत्री (श्री राम निवास मिर्धा) : (क) और (ख) वर्ष 1987–88 के दौरान कंट्रोल कपड़े तथा जनता कपड़े के उत्पादन तथा वास्तविक उत्पादन के लक्ष्य निम्नलिखित हैं :

(आंकड़े मिलियन वर्ग मीटर में)

	लक्ष्य	वास्तविक उत्पादन
1. कंट्रोल का कपड़ा	175	107.5
2. जनता कपड़ा	525	510

(ग) सरकार ने हाल ही में जनता कपड़े पर उपदान की दर में वृद्धि की है। कंट्रोल के कपड़े की कीमत अन्य बातों के साथ-साथ "शून्य आय" के आधार पर निर्धारित की जाती है।

सूखे की स्थिति से निपटने के लिए किए गए आर्थिक उपाय

230. **श्री मिर्जा इर्शादबेग :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सूखे की स्थिति से निपटने के क्या-क्या आर्थिक उपाय किये गये हैं ;

(ख) इस संबंध में लगाये गये अधिभार से कितनी राशि एकत्र की गई है और भविष्य में कितनी राशि एक किये जाने की संभावना है ; और

(ग) यह धनराशि किन-किन क्षेत्रों में खर्च की गई है और इस प्रकार खर्च की गई धनराशि के अलग-अलग आंकड़े क्या हैं तथा और कितनी धनराशि कहां खर्च की जायेगी ?

वित्त मंत्रालय में व्यय विभाग में राज्य मंत्री (श्री बी. के. गड़वी) : (क) सूखे से प्रभावित राज्य में रुकी पड़ी सिंचाई परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा करने के लिये 236 करोड़ रुपये की राशि अलग से रखी गई थी। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति हेतु आपाती उपाय करने के लिये